न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी, नोहर जिला हनुमानगढ

पीठासीन अधिकारी का नाम : **पंकज गढ़वाल (आर0ए0एस0)**

प्रकरण संख्या – 903/2024

अनवान : –

1. साहबराम पुत्र मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।

– वादी

बनाम्

1. ताराचन्द पुत्र मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।
2. महावीर पुत्र मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।
3. गिरदावरी पुत्री मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।
4. मुर्तिदेवी पुत्री मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।
5. धर्मपाल पुत्र स्व0 कलावती पुत्री मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।
6. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर तहसील नोहर।

– प्रतिवादीगण

दावा बाबत अन्तर्गत धारा 88–89 ,राजस्थान काश्त0 अधि0 1955

उपस्थिति :– श्री नरेन्द्र किशोर जोशी अधिवक्ता **वादी**
पेरोकार राज

निर्णय दिनांकः 07/10/2024

संक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत इस आशय का पेश किया है कि वादी एवं प्रतिवादीगण की दादा लाई खातेदारी कृषि भूमि रोही मौजा सोनड़ी तहसील नोहर के खाता स0 761/382 की कुल 12.4006 हैक्ट भूमि में से 9246/62200 हिस्सा भूमि मनीराम पुत्र डुंगरराम के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड है।

उपरोक्त भूमि वादी व प्रतिवादीगण की दादालाई खातेदारी कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्मजात हक हिस्सा है। वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में मनीराम पुत्र डुंगरराम के नाम दर्ज है जो की वादी का पिता है। मनीराम पुत्र डुंगरराम का स्वर्गवास हो चुका है तथा की एक पुत्री कलावती का भी देहांत हो चुका है तथा उनकी धर्मपत्नी लिछमा का भी देहांत हो चुका है। मनीराम पुत्र डुंगरराम के जायज वारिसान पत्रावली में दर्शाये गये सजरा खानदान के अनुसार वादीं प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 5 है जो अपने हक हिस्सा अनुसार वाद भूमि को अपने नाम दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। प्रतिवादीगण संख्या 3 ता 4 व 5 ने उक्त वाद भूमि में से अपना समस्त हक हिस्सा वादी व प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 2 के पक्ष में परित्याग कर दिया है। बाद हक त्याग वाद भूमि पर वादी व प्रतिवादी संख्या 2 ता 2 काबिज है। वादी जिसकी न्यायालय से घोषणा करवाकर राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने का अधिकारी है। यही विनाय दावा है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.10.28 16:40:57 IST
Reason: SelfAttested

वादी ने प्रतिवादीगण को कई दफा कहा कि वादी के हक व हिस्सा की भूमि को उनके नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा [illegible] आजकल आजकल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिए यह वाद पेश किया गया है।

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावें की वादी के हक हिस्सा की भूमि है जिसे अपने बाहमी बंटवारे के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावें।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के बाद प्रतिवादी सं0 1 ता 5 ने जरिये अधिवक्ता वादीगण के वाद को स्वीकार करते हुए इकबाल जवाब पेश किया की वाद वादीगण मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तो प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 5 को कोई ऐतराज नही है। प्रतिवादी संख्या 6 पेरोकार राज ने जवाब पेश किया जो की शामिल मिसल किया गया। वादी ने वाद के समर्थन में बतौर दस्तावेजी साक्ष्य नवीनतम जमाबंदी, मृत्यु प्रमाण मनीराम, लिछमा व कलावती पेश किये जो की शामिल मिसल किये गये।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का इकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नही रही साक्ष्य में वादी के द्वारा शपथ पत्र पेश किया गया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नही करने के कारण जिरह शुन्य रही तत्पश्चात उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

बहस वकील उभयपक्षकारान सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने कथन किया कि उक्त वाद भूमि वादी की दादालाई कृषि भूमि है वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में मनीराम पुत्र डुंगरराम के नाम दर्ज है जो की वादी का पिता है। मनीराम पुत्र डुंगरराम का स्वर्गवास हो चुका है तथा की एक पुत्री कलावती का भी देहांत हो चुका है तथा उनकी धर्मपत्नी लिछमा का भी देहांत हो चुका है। मनीराम पुत्र डुंगरराम के जायज वारिसान पत्रावली में दर्शाये गये सजरा खानदान के अनुसार वादीं प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 5 है जो अपने हक हिस्सा अनुसार वाद भूमि को अपने नाम दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। प्रतिवादीगण संख्या 3 ता 4 व 5 ने उक्त वाद भूमि में से अपना समस्त हक हिस्सा वादी व प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 2 के पक्ष में परित्याग कर दिया है। बाद हक त्याग वाद भूमि पर वादी व प्रतिवादी संख्या 2 ता 2 काबिज है। प्रतिवादीगण द्वारा वादी के वाद को स्वीकार किया जाकर इकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात वादी के वाद के संबंध में कोई ऐतराज नही है। अतः वादी का वाद डिक्री फरमाया जावें।

पेरोकार राज ने निवेदन किया की वादी ने दादालाई/पैतृक सम्पति का वाद पेश किया है वादी के साक्ष्य सबूतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावें।

हमारे द्वारा अभिभाषकगण की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। वाद में प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा सोनड़ी तहसील नोहर के खाता स0 761/382 की कुल 12.4006 हैक्ट भूमि में से 9246/62200 हिस्सा भूमि मनीराम पुत्र डुंगरराम के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड है, वादी का कथन है कि वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में मनीराम पुत्र डुंगरराम के नाम दर्ज है जो की वादी का पिता है। मनीराम पुत्र डुंगरराम का स्वर्गवास हो चुका है तथा की एक पुत्री कलावती का भी देहांत हो चुका है तथा उनकी धर्मपत्नी लिछमा का भी देहांत हो चुका है। मनीराम पुत्र डुंगरराम के जायज

Signature Not Verified
Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.10.28 16:40:57 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

वारिसान पत्रावली में दर्शाये गये सजरा खानदान के अनुसार वादीं प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 5 है जो अपने हक हिस्सा अनुसार वाद भूमि को अपने नाम दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। प्रतिवादीगण संख्या 3 ता 4 व 5 ने उक्त वाद भूमि में से अपना समस्त हक हिस्सा वादी व प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 2 के पक्ष में परित्याग कर दिया है। बाद हक त्याग वाद भूमि पर वादी व प्रतिवादी संख्या 2 ता 2 काबिज है, वादी के उक्त कथनों को प्रतिवादीगण द्वारा स्वीकार किया जाकर वादी के वाद को स्वीकार करते हुए इकबाल पेश किया गया है कि वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तो प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 5 को कोई ऐतराज नही है। वादी द्वारा पत्रावली में दर्शाये गये सजरा खानदान के अनुसार मृतक मनीराम के अन्य कोई भी वारिस नही होना स्वीकार किया गया है। अतः वाद वादी साक्ष्य सबूतों एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण मुताबिक अनुतोष स्वीकार योग्य है।

अतः वाद वादी साक्ष्य सबूतों तथा प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा सोनड़ी तहसील नोहर के खाता स0 761/382 की कुल 12.4006 हैक्ट भूमि में से 9246/62003 हिस्सा भूमि मनीराम पुत्र डुंगरराम के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड है, में मृतक मनीराम पुत्र डुंगरराम का नाम कलमजन किया जाकर वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 को बहिब के खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करते हुए इजराय प्रार्थना पत्र के संलग्न 500/- रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावें। यदि कृषि भूमि बैंक रहन है तो रहन मुक्त होने के बाद तथा किसी सक्षम न्यायालय आदि का स्थगन आदेश न हो तो उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद कर रिकार्ड दुरूस्त करे। खर्चा उभयपक्षकारान अपना अपना वहन करे। इसी आशय की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हों।

निर्णय आज दिनांक 07/10/2024 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(पंकज गढ़वाल R.A.S)
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
एवं सहायक कलक्टर
नोहर

Signature Not Verified

Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.10.28 16:40:57 IST
Reason: SelfAttested

पर्चा डिक्री

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी, नोहर जिला हनुमानगढ

पीठासीन अधिकारी का नाम : **पंकज गढ़वाल (आर०ए०एस०)**

प्रकरण संख्या – 903 / 2024

अनवान : –

1. साहबराम पुत्र मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।

– वादी

बनाम्

1. ताराचन्द पुत्र मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।
2. महावीर पुत्र मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।
3. गिरदावरी पुत्री मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।
4. मुर्तिदेवी पुत्री मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।
5. धर्मपाल पुत्र स्व0 कलावती पुत्री मनीराम जाति जाट निवासी सोनड़ी तहसील नोहर।
6. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर तहसील नोहर।

– प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955
राजस्व वाद संख्या 903 सन 2024 निर्णय दिनांक 07/10/2024

आज यह वाद मुझ पंकज गढ़वाल उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर नोहर के समक्ष वकील वादी श्री नरेन्द्र किशोर जोशी एवं राज पेरोकार की उपस्थिति में निर्णयार्थ / अंतिम निपटारे हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबूतों तथा प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा सोनड़ी तहसील नोहर के खाता स0 761 / 382 की कुल 12.4006 हैक्ट भूमि में से 9246 / 62003 हिस्सा भूमि मनीराम पुत्र डुंगरराम के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड है, में मृतक मनीराम पुत्र डुंगरराम का नाम कलमजन किया जाकर वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 को बहिब के खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करते हुए इजराय प्रार्थना पत्र के संलग्न 500 / – रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावें। यदि कृषि भूमि बैंक रहन है तो रहन मुक्त होने के बाद तथा किसी सक्षम न्यायालय आदि का स्थगन आदेश न हो तो उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद कर रिकार्ड दुरूस्त करे। खर्चा उभयपक्षकारान अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 07/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।

(पंकज गढ़वाल R.A.S)
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
एवं सहायक कलक्टर
नोहर

Signature Not Verified
Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.10.28 16:40:57 IST
Reason: SelfAttested